हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 26 मई 2025

11 साहस, विद्वता व वीरता के प्रतीक हैं भगवान...

12 कल्लूमल की बगीची के पास अचानक गिरा खंडहर चौबरे का हिस्सा...

CBSE बोर्ड, हरियाणा बोर्ड व अन्य किसी भी बोर्ड से फेल विद्यार्थी इसी वर्ष फेल विषयों की परीक्षा देकर साल बचाएं।
10th & 12th (NIOS) ओपन से पास करें।
D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
महेन्द्रगढ़ नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड़, महेन्द्रगढ़ Call us: 8059001617, 8059171616
कोसली बिजली बोर्ड के सामने, कोसली Call us: 9050676072
सभी कोर्स सरकारी यूनिवर्सिटी व बोर्ड से पास करें।
B.A., B.Com., B.Sc., M.A.,M.Sc. M.Com., Yoga Teacher, NTT, B.Ed., JBT, LLB, D. Pharmacy
YOGA TEACHER TRAINING PROGRAMME
CERTIFICATE IN AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY
CERTIFICATE IN COMPUTER APPLICATION
CERTIFICATE IN EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION (NTT)
CERTIFICATE IN BEAUTY CULTURE & HAIR CARE
AYRVEDA AND YOGA
DIPLOMA IN RADIOGRAPHY
ELECTRICAL TECHNICIAN
CERTIFICATE IN WELDING
CERTIFICATE IN PANCHKARMA ASS.

AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
फार्मेसी करें: ADMISSION OPEN Session 2024-2025
B. PHARMACY Duration:- 4 Year
D. PHARMACY Duration:- 2 Year
BMLT Duration:- 3 Year
DIPLOMA IN YOGA Duration:- 1 Year
ELIGIBILITY-10+2 MEDICAL & NON-MEDICAL
OPPORTUNITIES
Hospital Pharmacist • Sales & Marketing • Manufacturing Pharmacist • Retail Pharmacist • Quality Control • Medical Transcription •
GAHRA ROAD, KANINA | 9467543958, 9466464921, 8295003528

खबर संक्षेप

गवर्नमेंट आईटीआई में ऑनलाइन आवेदन 6 से

नारनौल। गवर्नमेंट आईटीआई नारनौल और महेंद्रगढ़ में जो भी विद्यार्थी दाखिला लेना चाहते हैं, उनके लिए ऑनलाइन आवेदन की तारीख 6 जून से 20 जून तक निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि दाखिले से जुड़े मैसेज और दिशा निर्देश, स्थानों, सूची और सीटों की जानकारी वेबसाइट पर भी दी गई है।

सड़क हादसे में प्रवासी मजदूर घायल

कनीना। कनीना में पिछले समय से एक मिष्ठान भंडार पर काम करने वाले प्रवासी मजदूर की रिक्सा को भारी वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रामुकुमार वासी धोलेश्वर थाना निदोली जिला एटा यूपी ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बिल्लू मिष्ठान भंडार पर मजदूरी का कार्य करता है। सुबह आठ बजे जब वह गोदाम से दुकान पर रिक्सा में सामान ले जा रहा था, तो एक भारी वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे रिक्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं उन्हें भी चोट आई।

नशा तस्कर गिरफ्तार 7.49 ग्राम हेरोइन बरामद

नारनौल। एनसीबी रेवाड़ी यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के नेतृत्व व उप पुलिस अधीक्षक गजेंद्र शर्मा के निर्देशन में सहायक उप निरिक्षक सुरेश कुमार टीम के साथ थाना शहर के एरिया में मौजूद था। तभी गुप्त सूचना मिली कि एक नशा तस्कर देवीलाल काम्प्लेक्स नजदीक छिपी जोहड़ पर नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने देवीलाल काम्प्लेक्स पर नशीला मादक पदार्थ हेरोइन सहित काबू किया। आरोपित की पहचान मनोज के रूप मे हुई, जो नलापूर भाटवाड़ा का रहने वाला है। राजपत्रित अधिकारी को मौके पर बुलाकर तलाशी ली गई, तो आरोपित के पास से 7.49 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ हेरोइन मिली।

पोल टूटने से तीन आवासीय मकानों पर हाईटेंशन लाइन के तार गिरे

132 केवी टॉवर तेज अंधड़ में धराशायी 15 फीडरों की बिजली सप्लाई रही ठप

- तत्काल ही सप्लाई ब्रेक होने से टला जानलेवा हादसा
- निगम को करोड़ों का नुकसान का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल/नांगल चौधरी

क्षेत्र में शनिवार आधी रात्रि आए तेज अंधड़ में सेका-नांगल चौधरी का 132 केवी टॉवर धराशायी हो गया। वहीं टॉवर के तारों से खिंचकर तीन फीडरों के पोल टूट गए। जिस कारण नांगल चौधरी शहर सहित करीब 70 गांवों में बिजली सप्लाई 10 घंटे ठप रही। वहीं अंधड़ में 10 से अधिक एचटी लाइनों के पोल टूट गए। जिनकी रिपेयर करने में निगम कर्मचारियों को दिनभर पसीना बहाना पड़ा। जिसके चलते देर रात्रि तक गांवों में बिजली सप्लाई बहाल हो पाई।

बता दें कि सेका पावर हाउस से नांगल चौधरी पावर हाउस तक 132 केवी लाइन अभी हाल ही में बिछाई गई थी। पावर हाउस तक पूरी वॉल्टेज व आपात परिस्थितियों में सप्लाई बाधित नहीं हो, इसलिए हैवी टॉवरों का निर्माण कराया गया। एक टॉपर पर करीब 10 लाख से अधिक बजट खर्च करके 70 टॉवरों का प्रबंध किया गया। जमीन में 10 फीट गहराई से टॉवरों की सिमेंटिड नींव भरी गई है, साथ ही लोहे की पाइपों से चारों नींव को जोड़ा गया था, ताकि तूफान या भूकंप आने की स्थिति में टॉवर क्षतिग्रस्त नहीं हो, लेकिन बीती रात आए तूफान ने टॉवर निर्माण के पारदर्शिता की पोल खोल दी। शनिवार रात करीब 12:35 बज तेज अंधड़ के शुरुआत में टॉवर हिलना आरंभ हो गया तथा पांच मिनट में गिर गया। जिसके नजदीक से तीन लाइने 33 केवी व दो लाइने 11 केवी और तीन एचटी लाइने गुजरती हैं।

जमीन पर गिरे टॉवर के तार 33 केवी लाइनों पर अटक गए। जिनके भार से पांच लाइनों के पोल व तार टूटे हैं। सूचना पाकर रविवार अलसुबह 5:30 बजे ही बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंच गए तथा घटना का निरीक्षण किया। इसके बाद शिघ्रता से बिजली सप्लाई बहाल करने की योजना बनाई। दो 33 केवी नांगल दुर्गू व आसरावास फीडर को डिस्कनेक्ट करके अन्य फीडरों को बहाल करने में जुट गए। पांच घंटे अथक प्रयासों के बाद आठ फीडरों की बिजली सप्लाई को बहाल करने में मदद मिली। नांगल दुर्गू व आसरावास फीडर के पांच पोल तथा तार टूटे हुए हैं, जिनकी रिपेयर करने के लिए कर्मचारी देर रात तक जुटे हैं।

नारनौल। 132 केवी टॉवर की रिपेयर करने में जुटे बिजली निगम के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बिजली निगम के कर्मियों की तत्परता रही सराहनीय

132 केवी टॉवर गिरने की सूचना मिलते ही सभी फीडरों पर नियुक्त कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। जेसीबी व ट्रैक्टर की मदद से लाइनों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन बारिश की दलदल में जेसीबी घटना स्थल तक नहीं पहुंच पाई। कर्मियों ने स्वयं ही रस्सों से खींचकर पोल खड़े किए तथा तारों को दुरुस्त किया। क्षतिग्रस्त लाइनों को डिस्कनेक्ट करके सबसे पहले शहर की सप्लाई को बहाल किया। इसके बाद गांवों के आठ फीडरों को चालू किया है। कर्मचारियों की तत्परता को लोगों ने सराहा।

सोए लोगों में हड़कंप

132 केवी टॉवर गिरने से पांच अन्य लाइनों के पोल टूट गए। 33 केवी सप्लाई लाइन के तार दो आवासीय मकानों पर गिर गया तथा स्पार्किंग होनी आरंभ हो गई। जिससे मकान में सोए लोगों में हड़कंप मच गया, लेकिन उसी समय सप्लाई ब्रेक हो गई। करंट का प्रवाह रुकने से स्पार्किंग रुक गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

अंधड़ में 60 पोल व तीन 33 केवी लाइनों को नुकसान

निगम के उपमंडल अधिकारी हितेश गोयल ने बताया कि बीती रात आए अंधड़ में 60 पोल टूटने व तीन 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट मिली है। 132 केवी का टॉवर गिरने से पांच अन्य लाइनें प्रभावित हुई हैं। कर्मचारियों ने तत्परता पूर्वक शहर व तीन अन्य फीडरों की सप्लाई को बहाल कर दिया है। उन्होंने बताया कि देर रात तक सभी फीडरों पर बिजली सप्लाई चालू हो जाएगी।

मंडी अटेली। सिहमा से सागरपुर सड़क मार्ग पर गिरा पेड़। फोटो : हरिभूमि

अटेली क्षेत्र में आंधी तूफान व बारिश ने मचाई तबाही

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में रविवार रात्रि लगभग साढ़े 12 बजे तेज आंधी-तूफान और बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देर रात्रि तेज आंधी के साथ हुई बरसात ने तबाही मचा दी। देर रात्रि तेज बारिश करीब एक घंटे तक लगातार हुई। वहीं सड़कों पर पेड़ और प्रचार पोल नीचे गिर गए। जिसके कारण बिजली पूरी रात्रि गुल रही। इसके अलावा रविवार पूरे दिन भर बिजली के कट के इनवर्टर की बैटरी भी डाउन हो गई। वही इस जोरदार बारिश से सिहमा सागरपुर होते हुए अटेली सड़क मार्ग पर पेड़ गिरने के चलते राहगीरों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। इसके अलावा अटेली से कनीना रोड़ पर धनौंदा के प्रचार पोल नीचे गिर गया। इसके अलावा क्षेत्र सैकड़ो के करीब पक्षी कल का ग्रास बन गए। तेज बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई, जिससे भीषण गर्मी से राहत तो मिली लेकिन रातभर चली अफरा-तफरी से लोग सहमे रहे। ग्रामीण इलाकों से भी हल्के नुकसान की खबरें मिली हैं। हालांकि बड़ी जनहानि टली है। लोगों ने सावधानी बरतते हुए घरों में ही रहकर रात्रि गुजारी।

मध्यरात्रि कनीना में 61 एमएम बारिश

- नौतपा का असर हुआ कम, गर्मी से मिली निजात, किसान खरीफ फसल की तैयारियों में जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ व प्री मानसून के चलते शनिवार मध्यरात्रि को तेज आंधी के बीच हुई 61 एमएम बारिश का पानी सड़क मार्गों पर जमा हो गया। वहीं दूसरी ओर तेज आंधी के चलते बिजली के खंभे व पेड़ टूटकर गिरने से बिजली सप्लाई गुल हो गई। कनीना के वार्ड सात में तेज बारिश व आंधी से बिजली का खंभा व सूखा पेड़ गिर गया, जबकि अन्य गांवों व सड़क मार्गों पर पेड़ गिरने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। बारिश होने से रविवार से प्रारंभ हुए नौतपा का असर भी कम ही रहने की संभावना बन गई है। किसान खरीफ की फसल बिजाई की तैयारी में जुट गए हैं। उनके ट्रैक्टर खेतों में जुताई कर रहे हैं। करीब दस वर्ष वर्ष बाद ज्येष्ठ माह में बाजरा बिजाई की संभावना है।

कनीना। वार्ड नंबर सात में तेज आंधी व बरसात से टूटा बिजली का खंभा व सूखा पेड़।

क्या कहती है नपा चेयरपर्सन

नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढा ने कहा कि मानसून से पूर्व नालों की सफाई करवाकर दुरूस्त करवाया जा रहा है। जोहड़ों की पैमाइश करवाकर उनकी छंटाई का कार्य शुरू किया गया है। बारिश के दौरान जलभराव नहीं होने दिया जाएगा।

क्या कहते है कृषि अधिकारी

उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव ने बताया कि कनीना खंड में करीब 33 हजार हेक्टेयर कृषि योज्य भूमि है। जिसमें किसानों की ओर से कपास, नरमा, मूंग, बाजरा व ग्वार बिजाई की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ज्येष्ठ माह में बिजाई किया जाने वाला बाजरा उन्नत पैदावार दे सकता है।

इधर बारिश का पानी जगह जगह जमा होने पर नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। नगर पालिका व उपमंडल प्रशासन की ओर से समय रहते जल निकासी के उचित प्रबंध किए जा रहे हैं। नपा की ओर मानसून से पूर्व नाले व सीवरेज की सफाई करवाई सहित जोहड़ की छंटाई का कार्य करवाया जा रहा है।

बारिश के बाद गर्मी से मिली राहत, अंधड़ के चलते 80 बिजली पोल टूटे, 5 ट्रेन रही प्रभावित

- रेलवे स्टेशन पर बिजली की लाइन पर गिरा पेड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शनिवार को देर को आई आंधी व बारिश के चलते आमजन को गर्मी से राहत मिली। वहीं बिजली पोल टूटने के बाद क्षेत्र में कई घंटो तक बिजली सप्लाई प्रभावित रहीं तथा रेलवे स्टेशन पर बिजली की लाइन से पेड़ गिरने से 7 ट्रेन रद रहीं।

शनिवार देर रात को तेज हवा के साथ 6 एमएम बारिश हुई। देर रात अंधड़ के साथ आई बारिश से क्षेत्र में 80 से अधिक बिजली के पोल टूट गए। जिसके कारण क्षेत्र में अनेक जगहों पर 10 से 12 घंटे तक लाइट बाधित रही। शहर में भी तेज अधंड़ आने के कारण शहर में 6 घंटे लाइट बाधित रही।

लाइट जाने के कारण सुबह पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पाई। इसके साथ-साथ लोगों के घरों की इनवर्टर की बैटरी भी बैठ गई। बिजली कटौती से आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

महेंद्रगढ़। बारिश के बाद शहर में हुआ जलभराव व रेलवे स्टेशन पर बिजली की लाईन को ठीक करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

शहर में हुआ जलभराव

बारिश के बाद शहर के अधिकाशं मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बन गई। जलभराव के चलते आमजन को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ी। शहर के रतन कॉम्प्लेक्स, मोहल्ला महायचान, नागरिक अस्पताल, नगरपालिका, बालाजी चौक, रेलवे रोड, गोशाला रोड सहित अनेक स्थानों पर जलभराव हो गया। विश्वकर्मा चौक पर बारिश के कारण अधिक जलभराव हो गया।

रेलसेवा भी रही प्रभावित

महेंद्रगढ़ के आर्दश रेलवे स्टेशन पर रेलवे स्टेशन के पास एक शीशम का पेड़ गिरने से 25 केवी ओआरसी लाईइ का तार टूटने से लगभग 7 गाड़ियां प्रभावित रही है। जिससे रात के समय यात्रियों को भारी परेशानियां उठानी पड़ी। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रेल लाइन पर चार वर्ष पहले बिजली की लाइन चालू की गई थी जिसमें हर वर्ष रेल विभाग गर्मी के मौसम एक सर्वे करवाता है जिसमें जो पेड़ रेलवे लाइन को बाध्य व ब्रेक डाउन करते है तो विभाग से परमिशन लेते है तथा विभाग जल्दी से परमिशन नहीं देता।

तापमान में गिरावट व मौसम में बदलाव की संभावना

नारनौल। जिले में शनिवार रात को हुई बारिश के बाद रविवार को तापमान में भारी गिरावट आई। जिससे आमजन को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ के दिन व रात के तापमान क्रमशः 31.0, 22.8 डिग्री सेल्सियस व 32.6, 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सम्पूर्ण जिले में भी रात्रि को पश्चिमी मौसम प्रणाली का असर साफ तौर पर देखने को मिला। यहां 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, जबकि दक्षिणी हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, अंधड़, गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। जिले में नारनौल में 11 एमएम, महेंद्रगढ़ में 25.5 एमएम, कनीना में सबसे अधिक 61 एमएम, अटेली में 26 एमएम, नांगल चौधरी में 13 एमएम व सतनाली में 25 एमएम बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि एक के बाद एक दो पश्चिमी मौसम प्रणाली पहली 27 मई व दूसरी 30 मई को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होगा।

रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य | पारदर्शी तरीके से ई-टेंडरिंग से होगा ठेकों का आवंटन

जिला महेंद्रगढ़ को शराब ठेकों के आवंटन के लिए 29 जोन में बांटा, इस बार 347 करोड़ रुपये रखा रिजर्व प्राइस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने शराब के ठेकों के आवंटन को पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से करने के लिए जिला महेंद्रगढ़ को 29 जोन में बांटा है। प्रत्येक जोन में दो मुख्य ठेके होंगे। साथ ही ठेकों के आवंटन की प्रक्रिया ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रारम्भ कर दी है। इस बार सभी जोनों का रिजर्व प्राइस 347 करोड़ रुपये रखा गया है। यह जानकारी देते हुए आबकारी विभाग के डीईटीसी अनिल शर्मा ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025-27 (12 जून 2025 से 31 मार्च 2017) के लिए देशी शराब ठेकों (L-14A) व अंग्रेजी शराब (L-2) ठेकों के आवंटन की प्रक्रिया ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रारम्भ कर दी है।

उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से करवाया जाएगा। ई-टेंडरिंग प्रक्रिया में भाग लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति या कंपनी को आबकारी व कराधान विभाग, हरियाणा के पोर्टल www.haryanatax.gov.in या investharyna पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में देशी व अंग्रेजी शराब के ठेकों के आवंटन के लिए इलेक्ट्रोनिक-निविदा (E-tender) आगामी 26 मई प्रातः नौ बजे से 27 मई 2025 शाम चार बजे तक स्वीकार की जाएगी। इसके बाद 27 मई को शाम पांच बजे प्राप्त ई-निविदाओं का मूल्यांकन इसके शराब ठेकों का आवंटन किया जाएगा।

सिक्योरिटी राशि पांच फीसदी कम

सरकार ने वर्ष 2025-27 के लिए सिक्योरिटी राशि से पिछले वर्ष की तुलना में पांच फीसदी कम करके 15 फीसदी किया था। शराब व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए इस पर पुनर्विचार करके अब इसे 15 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस सिक्योरिटी राशि का भुगतान सर्वाधिक निविदा प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को दो प्रतिशत निविदा राशि का भुगतान निविदा खुलने वाले दिन करना होगा। तीन प्रतिशत निविदा राशि का भुगतान आवंटन के सात दिन के अंदर या 11 जून जो भी पहले हो तक करना होगा। शेष छह प्रतिशत निविदा राशि का भुगतान 18 जून तक करना होगा। शराब के ठेकों के आवंटन की प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) कार्यालय कमरा-308 तृतीय तल लघु सचिवालय से संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा इस संबंध में मोबाइल नंबर 8447230009 पर संपर्क कर सकते हैं।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचन्द

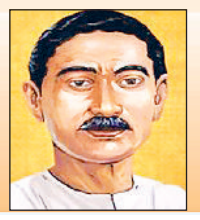

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कुछ काम दे देते और बदले में खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

जीवनदान

विदेशी धरती पर समुद्र के किनारे बसे इस सुन्दर नगर की दूर तक फैली बीच पर यूँ ही घूमते हुए उसे कई दिन बीत चुके थे। मगर उसे अभी तक एक भी ऐसा चेहरा नहीं मिला था जिस पर उसे अपने लिए कुछ अपनत्व भाव दिखाई दे। अधिसंख्य गोरे और कुछेक मुस्लिमों की भीड़ में उसे कोई भारतीय नहीं दिखाई दिया। गोरी चमड़ी वाली औरतें मात्र अंतःवस्त्रों में ही काला चश्मा लगाये इधर-उधर पसरी पड़ी या किसी मर्द की बाँहों में बाँहें डालकर घूमती दिखाई देती। सर्दियों की दोपहर को यहाँ धूप सेंकना सूर्य स्नान कहलाता है। छोटे-मोटे कार्य के अतिरिक्त उसे कुछ करने को अभी तक नहीं मिला। वह, वह पाना चाहता है जिसके लिए वह अपना देश, अपना घर और अपना परिवार छोड़कर यहाँ आया है। और यह पाने को उसका भाग्य कब चमकता है उसे उसी की प्रतीक्षा भी है और खोज भी।

उसे यहाँ आये आज एक सप्ताह हो गया समझ नहीं पा रहा कि क्या किया जाये जिससे उसके गुजारे के साथ-साथ कुछ रुपये बचाकर वह घर भी भेज सके। तभी उसे एक दढ़ियल प्रौढ़ ने पुकारा - "हे जैन्टलमैन, माला लेंगे।" कहते हुए मालाओं से लदा हाथ उसने उसके आगे कर दिया। जेब के पैसे खत्म हो जाने का डर उन सुन्दर रंग-बिरंगी मालाओं के आकर्षण से बहुत बड़ा था तो दूसरी ओर मालाओं का आकर्षण भी कम नहीं था। उसे ऊहापोह में छोड़ दढ़ियल ने पास से गुजरती एक महिला की तरफ बढ़ते हुए कहा-"हे मैम, देखिये कितनी सुन्दर माला! आपके गले में सजकर तो ये और भी सुन्दर लगेगी।" वह आगे बढ़ती-बढ़ती ठिठक गयी। रंगीन पारदर्शी पत्थरों की उन मालाओं के साथ-साथ मालावाले की मधुर स्वरलहरी और नारी सौन्दर्य की प्रशंसा करती वाणी ने उसके कदम रोक लिये थे।

"ये कितने की है?" उस महिला ने कई मालाओं में से एक को छूते हुए कहा।

"केवल दो सौ रुपये की परन्तु आपकी खूबसूरत गर्दन के लिये एक सौ पचहत्तर की मैम।"

"नहीं-नहीं एक सौ पचास में देनी है तो दीजिए।" दढ़ियल ने तत्काल माला निकालकर उसे पकड़ा दी और महिला पैसे निकालकर उसे थमा चुकी थी। दढ़ियल उसे एक तरफ छोड़ घूमते हुए माला बेच रहा था। कपिल को लगा कि यह काम तो बड़ा आकर्षक है। इसमें सामान के साथ-साथ मधुर स्वर और सौन्दर्य के नये-नये उपमानों के लिये काफी स्थान है। रात भर वह इस विषय पर सोचता रहा। अगले दिन बीच पर घूमते हुए वह माला वाले को ढूंढ़ता रहा। दोपहरी ढलने लगी थी कि उसे वह दिखाई दे ही गया। जहाँ चाह वहाँ राह की उक्ति को दोहराता हुआ कपिल लम्बे डग भरता हुआ उसके पास पहुँच गया।

"माला दिखाओ" वह मुस्कुराते हुए बोला।

दढ़ियल ने भी मुस्कुराते हुए हाथ आगे बढ़ा दिया। एक सुन्दर सी माला उठाते हुए उसने मूल्य पूछा।

"तीन सौ रुपये" दढ़ियल ने कहा।

"दो सौ में दे सकते हो तो दे दो" कपिल ने कहा।

"नहीं" कहते हुए वह आगे बढ़ने लगा।

"रुको, लो, तीन सौ रुपये और माला दो।"

दढ़ियल ने प्रसन्नता से रुपये थामते हुए माला उसे पकड़ा दी।

"बहुत ही सुन्दर है।" कहते हुए कपिल बात को आगे बढ़ाने की गर्ज से मुस्कुराया।

"वो तो है"

"कहाँ से खरीदते हो"

"सुपर मार्किट से" कहते हुए दढ़ियल आगे बढ़ने को हुआ तो कपिल ने उसे रोकते हुए कुछ और भी बातें की।

अगले दिन ही सुपर मार्किट से कुछ मालाएं खरीदकर वह भी बीच पर घूमने लगा। उसकी मुस्कुराती आँखें, मीठी वाणी और जादुई शब्दों का प्रभाव कि कुछ महिलाओं ने तुरन्त मुँह मांगे दाम पर मालाएं ले ली। जेब गर्म होते ही वह कुछ फल खरीदकर खाने लगा। पास में ही खेल रहे एक बच्चे को मुस्कुराते हुए उसने बड़े लाड़ से एक सेब प्रस्तुत किया। जिसे बालक बिना किसी ना नुकर के लेकर उसके पास बैठ खाने लगा। वह खुश था। आज का दिन कितना अच्छा है उसके लिए, उसका काम भी शुरू हो गया और इस बच्चे के रूप में उसे एक साथी मिल गया। भले ही बीच पर कुछ पल के लिए ही सही। बालक कुछ ही देर में उससे घुल-मिल गया उसने अपना नाम ईवान बताया।

अब कपिल का धन्धा चल निकला और ईवान के साथ दोस्ती भी। वह हर रोज की कमाई प्रातः स्थानीय बैंक में जाकर जमा करवा देता और सप्ताहांत में उसे पिता के खाते में भेज देता।

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कभी-कभार कुछ काम दे देते और बदले में उसे वोदका के साथ खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

"मैं तो आज ही आ जाता हूँ।" कपिल ने कहा। अन्धा क्या चाहे दो आँखें, मन की इच्छा पूरी हो रही थी। अब उसने पॉल विच के कमरे में रात का ठिकाना जमा लिया। दिन भर समुद्र किनारे सैलानियों को मालाएं व पत्थर बेचने और प्रातः सांय पॉल विच के खेतों में काम करते उसे लगता जैसे वह अपने गाँव के खेतों में, अपने गाँव की मिट्टी से मिल रहा है। अपने गाँव से हजारों किलोमीटर दूर कई समन्दर पार इस शीत प्रदेश में जीवन बहुत कठिन तो था परन्तु कठोर नहीं लग रहा था। पॉल विच जो आयु के लगभग पचहत्तर वर्ष पार कर चुका था, एक संरक्षक के रूप में उसके सिर पर था। वह अपनी जवानी में एक पहलवान था, फिर प्रदेश सरकार में मन्त्री बना और अब किसान बनकर अपना वार्धक्य बिता रहा था। खेत में काम करने के बाद नित्य वोदका का सेवन करते हुए पत्नी के हाथ का स्वादिष्ट खाना उसके साथ-साथ कपिल को भी मिलने लगा था। पॉल विच की पत्नी एक सुघड़ गृहिणी के साथ एक वात्सल्यमयी स्त्री थी।

परन्तु जिन्दगी इतनी भी सरल कहाँ होती है जितनी आजकल कपिल को लग रही थी। हुआ यूँ कि पॉल विच की एक रिश्तेदार अपने दो बच्चों के साथ उसके पड़ोस में रहने आ गयी। वह स्वभाव से ही एक झगड़ालू और कर्कश स्वर वाली स्त्री थी। पॉल विच और कपिल की मित्रता उसे चुभती थी। कपिल उसे कतई घास नहीं डालता था। वह प्रयास भी करती तो कन्नी काट जाता।

ऐसी ही एक प्रातः जब कपिल पॉल विच के खेत में कार्य में जुटा था, तब वह आई और उस पर डोरे डालने का प्रयास करने लगी-

"प्यारे कपिल, तुम कितना काम करते हो।"

"प्रिय ओल्गा, क्या करूँ, मैं यहाँ काम ही तो करने आया हूँ।"

"क्या हम मित्र बन सकते हैं प्रिय कपिल।"

"ऐसा कैसे सम्भव है झगड़ालू ओल्गा।" कपिल मुस्कुराया।

"मैं तुमसे तो नहीं ही झगड़ूंगी प्रिय कपिल"

"लेकिन मैं तो तुम जैसी कर्कशा से बात करना भी पसन्द नहीं करता। मुझे तो कोई मधुर स्वर वाली सुकुमारी ही आकर्षित कर सकती है झगड़ालू ओल्गा। अब तुम जाओ, नहीं तो तुम्हारी यह बेशर्मी मैं पॉल विच को बता दूँगा।"

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी।

कपिल के मुँह से अपने लिए ऐसी उपेक्षापूर्ण बातें सुनकर वह पैर पटकती हुई चली गयी। कपिल ने तो पॉल विच को कुछ नहीं बताया पर जैसा कि उसे अन्देशा था कि ओल्गा ने पॉल विच को अपने हिसाब से कपिल के दुर्व्यवहार की शिकायत की। पॉल विच ने दुनिया देखी थी और कपिल के सद्व्यवहार को वह जानता था। ओल्गा के चरित्र की भी भनक उसे थी। अतः उसने कपिल से इस विषय में कुछ विशेष नहीं कहा।

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी। उसने अपने पति, जो दूसरे शहर का माफिया डॉन था को, कपिल पर दुराचार के प्रयास का आरोप लगाते हुए रो-रोकर शिकायत की। उसके पति जिसके लिए मारपीट, हत्या जैसे जुर्म सामान्य बात थी, ने कुपित होकर कपिल की सुपारी स्थानीय माफिया डॉन दुश्र्चेव को दे दी।

दुश्र्चेव ने उसी दिन अपने एक गुण्डे को कपिल को शाम तक अपने पास उपस्थित करने का आदेश दिया। उस गुण्डे ने माला बेचते हुए कपिल को धर पकड़ा और शाम को अपने बॉस दुश्र्चेव के सामने उसके अड्डे पर उपस्थित होने का हुक्म चेतावनी भरे भयभीत कर देने वाले लहजे में दिया। कपिल भले ही कई महीने यहाँ रहते हुए पॉल विच की छत्रछाया में स्वयं को सुरक्षित अनुभव करने लगा था। वह हर शाम बीच पर व्यवसाय करने के लिए एक निश्चित राशि स्थानीय माफिया के कारिन्दे को भी देता था। परन्तु मारपीट, हत्या आदि से वह अभिज्ञ था। अतः सांय को जब वह बताये गये ठिकाने पर पहुँचा तो उसने ईवान को भी वहीं खेलते हुए पाया। उसे देखते ही ईवान चिल्ला पड़ा-

"भइया कपिल! भइया कपिल" और दौड़कर उससे लिपट गया। फिर उसका हाथ खींचते हुए अपने पापा के पास ले गया-

"पापा देखा कपिल भइया जिनके बारे में मैं आपको बताता हूँ। आज ये मुझसे मिलने आये हैं। मैं इनके लिए भी माँ से खाना बनवाता हूँ। आज ये यहीं खाना खायेंगे"

"हाँ, हाँ जाओ ईवान अपनी माँ से कपिल के लिए भी खाना बनाने के लिए कहो। उन्हें बताओ तुम्हारे कपिल भइया आये हैं।"

ईवान के अन्दर जाते ही दुश्र्चेव ने कपिल को सम्बोधित करते हुए कहा-

"तो तुम पॉल विच के यहाँ रहते हो?"

"जी" कपिल ने थूक सटकते हुए कहा।

"मैं कल उनसे मिलूँगा और उन्हीं से बात करूँगा। अब तुम जा सकते हो, ईवान को मैं समझा दूँगा।"

दुश्र्चेव की ठहरी हुई कड़क आवाज और भावहीन चेहरे ने तो कपिल के शरीर में सिहरन दौड़ा दी। परन्तु ईवान उसके लिए देवदूत बनकर आया था। जान बची और लाखों पाये। दुश्र्चेव के कहते ही वह तेज कदमों से खिसक लिया। इस विदेशी धरती पर उसका कौन था जो उसके लिए कुछ करता। वह लगभग दौड़ते हुए अपने ठिकाने पर पहुँचा। अगले चौबीस घण्टे उसके लिए बहुत ही चिन्ताजनक थे, जब तक कि दुश्र्चेव पॉल विच से मिलकर सारा मामला क्या था, न बता ले।

अगली शाम जब खेत पर दो घण्टे कठोर श्रम के उपरान्त कपिल वापस आया तो दुश्र्चेव पॉलविच से मिलकर जा चुका था। पॉल विच ने मुस्कराते हुए कपिल का स्वागत किया और वोदका का गिलास पेश करते हुए कहने लगा-

"दुश्र्चेव आया था। उसे ओल्गा के पति ने तुम्हारी सुपारी दी थी। पर तुम किस्मत के धनी निकले कि ईवान तुम्हें बड़ा भाई मानता है और यही बात तुम्हारे पक्ष में गयी। खैर, ओल्गा को उसके पति ने वापस बुला लिया है। तुम मेरे कमरे में यथावत रह सकते हो।" कपिल कुर्सी पर जड़ हुआ बैठा था। आज वोदका भी उसकी ठिठुरन को दूर न कर सकी। वह समझ नहीं पा रहा था कि यह कंपकंपी डर की है या ठण्ड की। अपनी सुपारी और दो माफिया से उसकी दुश्मनी का यह प्रसंग उसे भीतर तक सिहरा गया। लेकिन दूसरी ओर ईश्वर में उसकी आस्था और प्रगाढ़ हो गयी। एक नन्हें बालक को प्रेम से खिलाये कुछ फल, उसके साथ बिताये कुछ पल उसे जीवनदान दे गये थे।

पुष्पलता आर्य

वर्जना में सर्जना

वर्जना में सर्जना की लीक पकड़े चल रहे हैं
नींद की अवमानना कर स्वप्न सच्चे पल रहे हैं

चीर कर पत्थर युगों के बह रहे उन्मुक्त धारे
कब समय के निर्झरों को बाँध पाए हैं किनारे
बाँध कितने बंधनों के हाथ अपने मल रहे हैं
वर्जना में सर्जना....

कंटकों के दंश कुसुमों ने सहे हैं मुस्करा कर
रात काटी है सितारों ने अंधेरी जगमगा कर
विषधरों के पाश में लिपटे हुए संदल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

रुख हवाओं का बदलने की मिली जिनको कुशलता
किंकिरी बनकर उन्हीं के चल पड़ी पीछे सफलता
धार के विपरीत जो बहते रहे अव्वल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

श्वास सूली पर चढ़े थे और छलना मुस्कराई
लाख सच ने कष्ट झेले कौनसी पीड़ा न पाई
जो खिले दलदल के तल पर वे कमल का दल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की...

मेघ बरसें या न बरसें चातकों ने हठ न त्यागा
प्यास थी पर भूमि से दो बूंद पानी भी न माँगा
या हुई पूरी प्रतिज्ञा अन्यथा निर्जल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ....

कृष्ण लाल 'गिरधर

मिशन सिंदूर

जग जाहिर है जंग हमारी देखो हमारे जांबाज।
पैर पकड़ ले पाकिस्तान, खैर नहीं है तेरी आज ।

पुलवामा ,पहलगाम में पाप किया है पाकिस्तान।
चुन चुन कर अब बदले लेता, देखो हमारा हिंदुस्तान।

भिखमंगा भिखारी मांग रहा दूजो से हथियार।
जितने भी दावे तूने, सबके सब कर दिये बेकार।

पूरा विश्व अब देख रहा ,तेरे बंकर अड्डों को।
अब आतंकी ढेर हो रहे, देखो उनके खड्डों को।

शांत प्रिया सेना हमारी,कभी ना युद्ध चाहती है।
तेरे जैसे बेशर्म देश को, सबक जरूर सिखाती है।

अब ना चूकेंगे अब ना रुकेंगे, पूरा हिसाब चुकाएंगे।
मेरे भारत वीर सेनानी आगे बढ़ते जाएंगे।

जिन बहनों का सिंदूर मिटा है, उनको न्याय दिलाएंगे।
चला 'मिशन सिंदूर' है अब जड़ से ही मिटाएंगे।
जय हिन्द, जय हिन्द की सेना।

साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण का मानना है कि आधुनिक युग में भी निश्चित रूप से साहित्य की स्थिति सर्वोच्च बनी है, मगर सोशल मीडिया के दौर को थोड़ा चुनौती भी कहा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि साहित्य के पाठकों में कमी आई है, बल्कि मुद्रित पुस्तकों के मुकाबले ऑनलाइन पाठ पठन कुछ ज्यादा हो गया है। असल में साहित्य वही है जो कालजयी हो और आम जनमानस की पीड़ा को प्रभावी तरीके से व्यक्त करता हो।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक उत्थान का माध्यम है साहित्य सृजन: कृष्ण कुमार

साहित्य जगत में लेखन केवल साहित्य संवर्धन ही नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्थान में भी साहित्य की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा साहित्य सृजन करते आ रहे मूर्धन्य विद्वानों का भी मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना असंभव है। समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में लेखन करने में जुटे हैं।

ऐसे ही लेखकों में साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण भी सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर करके आलेख, कविताओं और सामयिक विषयों पर अपने रचना संसार को दिशा देने में जुटे हुए हैं। साहित्यकार एवं लेखक कृष्ण कुमार निर्माण का जन्म 15 जून 1975 को हरियाणा के सोनीपत जिले में गोहाना तहसील के गांव बरोदा में भूप सिंह निनानिया और रतनी देहड़ान के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल तो नहीं रहा, लेकिन पिता अक्सर उन्हें सांग दिखाने ले जाया करते थे, शायद इसी से प्रभावित होकर उनमें भी साहित्यिक व संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ने लगा। स्कूल में शिक्षकों ने भी उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग दिया। वह स्कूल में भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ और अभिनय करते थे और इन सभी विधाओं में उसने पहला स्थान हासिल किया। उन्हें राज्य स्तर पर श्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ कमंटेटर का खिताब भी हासिल हुआ है। बकौल कृष्ण कुमार, बचपन से ही सांग देखकर और अपने ताऊ जी को सुन-सुनकर साहित्य सृजन के लिए उनके लेखन की शुरुआत हुई। सबसे पहले तो हरियाणवी में रागनी लिखना शुरू किया। जब वह आठवीं कक्षा में थे तो उन्होंने अपनी पहली रचना लिखी, जिसे कई आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भी गाया और उन्होंने उसे स्वयं भी सुना। इसी बीच निरंकारी मिशन द्वारा एक गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर' प्रकाशित हुआ, जो कि पहली बार सार्वजनिक भी हुआ और फिर अखबारों में प्रकाशित हुआ। अखबारों में उनकी रचनाएं छपने के क्रम से उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक भी था। जिसमें हिसार में उन्हें राज्य कवि उदयभानु हंस के साथ भी मंच पर कविता पढ़ने का अवसर मिला और यहीं से हिंदी में भी साहित्य लिखने का क्रम आगे बढ़ा। उन्होंने बताया कि उनके लेखन के क्रम ने गति पकड़ी और विभिन्न कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी करते रहे। वहीं उनके कई साझा संग्रह भी आए, लेकिन एक मित्र ने कहा कि आप इतने दिनों से लिख रहे हो, अपना खुद का संग्रह लिखकर भी छपवाओ। इसके बाद उन्होंने हरियाणवी लघु कविताओं का संग्रह लिखा। जहां तक साहित्यिक सफर में परेशानियों का सवाल है उसके लेखन में कई बार आई, लेकिन ऐसी समस्याएं जल्द हल हो गई। एक ऐसा दिलचस्प किस्सा भी उस समय सामने आया, जब रेवाड़ी में वह अपना कविता पाठ करके मंच से नीचे उतर रहे थे तो युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी ने उनकी लिखी रचना को लिखित में मुझे मांगा, जिससे उनका उत्साह बढ़ना भी स्वाभाविक था। आज वह कविता, ग़ज़ल, लघुकथा, व्यंग्य, समसामयिक विषयों पर लेख लिख रहे हैं और कुंडली, लघुकविता, लघुकथा भी उनके साहित्यक साधना की विधाओं में शुमार हैं। उनके उनके साहित्य लेखन का फोकस जनपक्ष की व्यथा, जातिगत भेदभाव, किसानों की दुर्दशा और नारी अधिकार जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा रहा है।

उनके आलेख, कविताएं और रचनाएं देश की विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में भी अनवरत प्रकाशित होती रही हैं। वहीं हिसार दूरदर्शन से उनके काव्य की अनेक बार प्रस्तुतियां प्रसारित हो चुकी हैं। साहित्य और संस्कृति से दूर होती युवा पीढ़ी को लेकर इनका मानना है कि लेखकों द्वारा साहित्य तो ज्यादा लिखा जा रहा है, लेकिन उसमें गिरावट नजर आने लगी है और यह बहुत ही तकलीफदेह है कि आज साहित्य भी दो खांचों में बांटा जा रहा है।

इसके लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य से जोड़ने के लिए स्कूल और कॉलेजों स्तर पर सहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यशालाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। युवाओं को साहित्य के प्रति प्रेरित करने के लिए उनके स्तर और बदलते युग के साहित्य लेखन की जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्ण कुमार की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'बखत बखत के बोल', हिंदी आलेख संग्रह 'प्रसंगवश', काव्य संग्रह 'कविता के बहाने व शब्द बोलते हैं', हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'घणा बदलग्या यार जमाना', व्यंग्य संग्रह 'हल्के-फुल्के व्यंग्य', हरियाणवी कुंडली संग्रह 'मन के जालै', आलेख संग्रह 'संयोगवश' शामिल हैं। उनके साझा संग्रह में हरयाणवी गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर', 'कविप्रिया', लघुकविता संग्रह 'हरियाणवी जिंदाबाद' आदि प्रमुख हैं।

कृष्ण कुमार निर्माण

पुरस्कार व सम्मान

हिंदी और हरियाणवी साहित्य में कविता, गजल, लघुकथा, व्यंग्य जैसी विधाओं में योगदान के लिए साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण को अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें 'हिंदी श्री' सम्मान, श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान, हरियाणवी साहित्य गौरव अवार्ड, श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, साहित्य सभा कैथल व नेपाल की संस्था द्वारा पुरस्कारों से नवाजा गया है। वहीं कवि सम्मेलनों के मंचों पर भी उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण कुमार निर्माण
जन्मतिथि : 15 जून 1975
जन्म स्थान : गांव व पोस्ट बरोदा, गोहाना, जिला सोनीपत,(हरियाणा)
शिक्षा : एमए (हिंदी), बीएड,एलएलबी, पत्रकारिता में डिप्लोमा
संप्रति : स्वतंत्र लेखन, कवि एवं शिक्षा विभाग हरियाणा में अधिकारी

क्रूर समय का दर्द बताता 'हस्ताक्षर तुम्हारे हैं'

कविता-संग्रह : हस्ताक्षर तुम्हारे हैं
लेखक : डॉ. कमलेश मलिक
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा

ब्रह्म दत्त शर्मा

वरिष्ठ लेखिका और पूर्व कॉलेज प्रिंसीपल कमलेश मलिक मूलतः कथाकार हैं लेकिन कवि के रूप में भी वे कम विख्यात नहीं हैं। यह कविता-संग्रह इसका जीता जागता प्रमाण है। पुस्तक में संकलित कविताओं में वर्तमान समय के लगभग सभी जरूरी मुद्दों या समस्याओं को बड़े पुरजोर तरीके से उठाया गया है। आमतौर पर कविता या कहानी की किसी एक ही किताब में इतने ज्यादा विविध विषय कम ही देखने को मिलते हैं। दूसरा, इन कविताओं की भाषा सहज व सरल है और कवयित्री ने कहीं पर भी अपनी बौद्धिकता का प्रदर्शन करने का अनावश्यक प्रयत्न नहीं किया है। तीसरा ये सभी कविताएं आम आदमी के जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। इस संग्रह के शुरुआत में कई बेहतरीन ग़ज़लें हैं। एक बानगी के तौर पर देखिए---

लोग रहते हैं जहां बस सिर्फ रहने के लिए
बेशक मकां कह दो उसे घर तो हो नहीं सकता।
कहां तक जाएगी नफरत जगेगी एक दिन उल्फत
आखिर इंसां इंसां है पत्थर तो हो नहीं सकता।

ग़ज़ल के बाद उनकी कविताओं की बात करें तो वहां अलग-अलग कविताओं में अलग-अलग विषयों पर कलम चलाई गई है। "सखी के नाम" कविता में बिछड़ी सहेली को याद करती हैं-

मैत्री के रंग भला फीके कहां पड़े हैं
मैं देखती रही तुम्हें रंगीन तितलियों में।

बहुत सी कविताएं समसामयिक मुद्दों को लेकर भी हैं। उन्होंने किसान आंदोलन, महिला खिलाड़ियों का आंदोलन, महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन इत्यादि मुद्दों को भी खूब उठाया है।

वे इसी पर कहती हैं, एक महिला खिलाड़ी देश का झंडा फहराती है खेल के मैदान में फिर वही आंसू बहाती है न्याय के विधान में। संग्रह की शीर्षक कविता में उन्होंने मठाधीशों की क्या खूब खबर ली हैः हम कोल्हू के बैलों से बंधी आंखें चले मीलों मगर हमको मिला भूसा, कि गुड शक्कर तुम्हारे हैं। जीवन की नश्वरता भी उनकी लेखनी से छूटी नहीं है, कुछ मीठे खट्टे फलों का एहसास भर है यह जिंदगी तो चार दिन मधुमास भर है, इस मंच का परदा गिराने तलक ही तो कठपुतलियों के नाच का आभास भर है। अंत में इतना कहा जा सकता है कि कमलेश मलिक की कविताएं इस क्रूर समय को कागज पर उतारने में और पाठकों को सोचने पर विवश करने में सफल रही हैं। लेखिका कमलेश मलिक को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा की बैठक आयोजित

सतनाली मंडी। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा इलाका सतनाली की बैठक का आयोजन किया गया। सभा प्रधान कै. अशोक कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में सतनाली इलाके में दसवीं व बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के विद्यार्थियों को सम्मानित करने का प्रस्ताव पास किया गया। उन्होंने बताया कि साधुराम शर्मा माधोगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों की सूची आठ जून को होने वाली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

भारत विकास परिषद ने लगाई मीठे पानी की छबील

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल के समीप भारत विकास परिषद द्वारा मीठे पानी की छबील लगाई गई। भारत विकास परिषद शाखा ने पर्यावरण का ध्यान रखते हुए सिंगल यूज डिस्पोजेबल ग्लास का उपयोग न करके स्टील ग्लास का उपयोग किया और सभी सदस्यों ने प्रण लिया है। आगे आने वाले सभी कार्यक्रमों में इसी तरह से पर्यावरण का ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्याम सुंदर सैनी, वरिष्ठ सदस्य रमेश टोंक, वीर विक्रम भालोठिया, सतीश कुमार शर्मा, ब्रह्मपाल पिलानिया, रतनलाल, मुकेश ठेकेदार, संजय, सुरेश सैनी, नीरज मित्तल, प्रशांत यादव, रतीराम टोंक, रामगोपाल मित्तल आदि मौजूद थे।

धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

साहस, विद्वता व वीरता के प्रतीक हैं भगवान परशुराम: कंवर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭| सतनाली मंडी

कस्बे में भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी की ओर से भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि भगवान परशुराम को साहस, विद्वता एवं वीरता का प्रतीक माना जाता है। भगवान परशुराम एक समाज के नहीं, बल्कि सर्वसमाज के लिए पूजनीय हैं। उन्होंने कहा कि हमें भगवान परशुराम के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य बाबा वचनाई नाथ ने कहा कि भगवान परशुराम से हमें भगवान परशुराम के जीवन से अन्याय अत्याचार के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने मानवता के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

उन्होंने भगवान परशुराम भवन में टीनशेड लगवाने की घोषणा की। समाजसेवी हेमंत शर्मा सिहमा ने कहा कि भगवान परशुराम त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अन्याय के खिलाफ फरसा उठाकर अत्याचारियों का अंत किया और संघर्ष की प्रेरणा दी है।

गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल प्रधान राकेश मेहता ने समाज के उत्थान के लिए एकजुट होकर समाज व देश के उत्थान के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। सतनाली सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गोठवाल ने स्टेज बनवाने तथा शिक्षा भारती स्कूल नावां संचालक योगेश शास्त्री ने 21 हजार रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उन्होंने सोसायटी व सर्वसमाज को बधाई दी। कार्यक्रम को मनोज गौत्तम, डिगरोता सरपंच प्रतिनिधि योगेश शास्त्री, सोसायटी प्रधान शिवकुमार शास्त्री सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का बैंड बाजे के साथ सोसायटी की ओर से फूलमाला व पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में गणमान्य लोगों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सोसायटी कोषाध्यक्ष रतनलाल मिश्रा ने सभी आगंतुक अतिथि व सर्वसमाज को सफल आयोजन पर बधाई दी। मंच संचालन मेजर मुरारीलाल शर्मा व सोसायटी उपप्रधान राजेंद्र शर्मा ने किया। इस मौके पर गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल प्रधान राकेश मेहता, महेंद्रगढ़ प्रधान दिनेश वैद्य, अटेली प्रधान राजेश कौशिक, कनीना प्रधान रवि शर्मा, सतीश लाटा झालड़ी, राधेश्याम शर्मा गुड़गांव, वेदप्रकाश शर्मा नारनौल, सतनाली सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गोठवाल, उदय सिंह शेखावत, होशियार सिंह, ढिल्लु शेखावत, पूर्व पंच संतू शेखावत, शिक्षा भारती स्कूल नावां संचालक योगेश शास्त्री, मॉन्टेसरी स्कूल प्राचार्य बीडी शर्मा, पीआरएस स्कूल से विकास शर्मा, सवाई सिंह राठौड़, दिवान सिंह शेखावत, राजेंद्र मुन्नाभाई शेखावत, श्रवण शास्त्री, जयसिंह शेखावत आदि मौजूद थे।

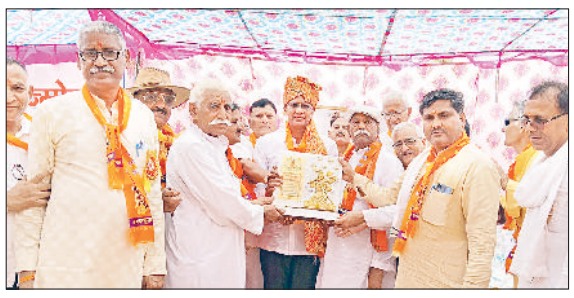

सतनाली मंडी। भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते सोसायटी सदस्य व भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर कलश यात्रा निकालती महिलाएं।

कलश व शोभायात्रा निकाली

दो दिवसीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत पहले दिन शनिवार को शोभायात्रा व भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी सतनाली की ओर से आयोजित दो दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम के पहले दिन सुबह आदर्श गोशाला प्रांगण में विधिवत कलश पूजन उपरांत कलश यात्रा व शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। गोशाला से शुरू होकर कलश व शोभायात्रा महेंद्रगढ़ रोड से पुलिस स्टेशन मार्ग, गर्ल्स स्कूल मार्ग, उप तहसील, बस स्टैण्ड मार्ग, मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन के पास से होते हुए विभिन्न मार्गों से होते हुए भगवान परशुराम पार्क पहुंची। शोभायात्रा का रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय में पौधरोपण करते स्टॉफ सदस्य व आदित्य ग्रुप के चेयरमैन।

आदित्य ग्रुप के चेयरमैन हरी खेमका का सिंघानिया विश्वविद्यालय में दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

भारत की अग्रणी सुरक्षा और निगरानी समाधान कंपनी सीपी प्लस की पैरेंट कंपनी आदित्य ग्रुप के चेयरमैन हरीशंकर खेमका ने सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी का दौरा किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस), उपाध्यक्ष एवं कैंपस निदेशक प्रोफेसर पीएस जस्सल और उपाध्यक्ष एवं मुख्य वित्त अधिकारी सुनील कुमार सोबती उपस्थित रहे। यह दौरा तकनीकी नवाचार, स्मार्ट सुरक्षा समाधान और शिक्षा तथा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। खेमका के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सकारात्मक एवं सार्थक संवाद हुआ, जिससे भविष्य में रणनीतिक साझेदारी की संभावनाएं बनीं। विश्वविद्यालय की ओर से हरी खेमका को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। खेमका ने भी विश्वविद्यालय को एक विशेष स्मृति चिह्न भेंट किया और परिसर में अपने नाम से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की।

बता दें कि हरी खेमका एक प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति हैं, जिन्होंने सीपी प्लस को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। मात्र 19 वर्ष की उम्र में व्यवसायिक जीवन की शुरूआत करने वाले खेमका ने मेक इन इंडिया पहल को आगे बढ़ाते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी प्रणालियां और स्मार्ट सुरक्षा समाधान विकसित किए, जिनकी उपस्थिति आज 60 से अधिक देशों में है। यह दौरा न केवल विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक अनुभव रहा, बल्कि यह शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सहयोग की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में भी देखा जा रहा है।

नारनौल। विद्यालय में जल क्रीड़ा का लुत्फ उठाते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

लिटिल चैप्स प्ले स्कूल में जल क्रीड़ा आयोजित

नारनौल। मिश्रवाड़ा स्थित लिटिल चैप्स प्ले स्कूल में गर्मी की अधिकता को देखते हुए विद्यालय के अंदर छोटे बच्चों के लिए एक पूल पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने पूल में बैठकर पानी में खेलकर गर्मी की ऋतु में ठंडक का एहसास किया। छोटे-छोटे बच्चों ने स्कूल में नहाकर इस क्रीड़ा का बहुत मजा लिया। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्य अध्यापिका आशा मान ने बताया कि विद्यालय कैंपस के अंदर गर्मी की अधिकता को देखकर इस प्रकार का आयोजन किया गया है। इसके अलावा विद्यालय में हर महीने हर तरह की विभिन्न अवसरों पर तरह-तरह के आयोजन बच्चों की आवश्यकता की अनुसार करवाए जाते हैं। इस अवसर पर निशा सैनी, शालू सैनी, रिंकी संघी, दिव्या संघी, पूनम निर्मल, सपना सैनी तथा अनेक अभिभावकगण उपस्थित रहे।

पांच जून को प्रदेशस्तरीय रैली में बढ़ चढ़कर भाग लेंगी मिड डे मील वर्कर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

स्थानीय यादव धर्मशाला में एआईयूटीयूसी से संबधित मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन की ओर ब्लॉक प्रधान हेमलता व कनीना ब्लॉक प्रधान सुमित्रा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंच संचालन जिला सचिव सन्तोष यादव ने किया। बैठक में 5 जून को होने वाली प्रदेशस्तरीय रैली में बढ़ चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया गया। जिला प्रधान सुनीता जांगड़ा, जिला सचिव संतोष यादव व ब्लॉक प्रधान हेमलता व कनीना ब्लाक प्रधान सुमित्रा ने कहा कि 5 जून को होने वाली रैली में मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, तब तक न्यूनतम वेतन लागू करने, साल में 10 महीने कि बजाय 12 महीने का वेतन देने, वेतन हर माह 7 तारीख तक भुगतान करने, स्कीम वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाकर पेंशन योजना व इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाने, ड्रेस की राशि दो हजार रुपए करने, स्कूल बंद होने की स्थिति में पास के स्कूल में समायोजन करने, रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष करने, रिटायरमेंट पर एकमुश्त पांच लाख रुपए देने, मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स को लगाने व हटाने की नीति बनाने व यूनियन की राज्य महासचिव कुसुम पांचाल को अविलंब बहाल करने की मांग की जाएंगी। इसके पश्चात शिक्षामंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस अवसर पर संतोष, निशा, शीला, निर्मला, सावित्री, बिमला, सुशील, केशर, सुगना, भगोती, कविता, सरिया, रामरती, भगवती आदि उपस्थित थी।

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेती मिड डे मिल कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल में हुई हिंदी सुलेख प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। गांव भोजावास स्थित मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के बीच कक्षा स्तर पर करवाई गई। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने हस्त कौशल के बल पर सुंदर लेखन कार्य किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडली के सदस्य शिक्षिका मंजू, रिंकू व शकुंत सहरावत ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम घोषित किए। इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी अचीवर से साक्षी ने प्रथम, व मन्नार दूसरा, कक्षा तीसरी अल्फा से कनिष्का प्रथम व प्रिंस ने दूसरा, कक्षा चौथी अल्फा से अरुण ने प्रथम व दीपांशु ने दूसरा, कक्षा चौथी अचीवर दित्या ने प्रथम व मानवी व आर्यन ने दूसरा, कक्षा पांचवी अल्फा से हिमांशी प्रथम व शिवानी ने दूसरा, कक्षा पांचवी अचीवर से यशवी प्रथम व हिमानी ने दूसरा स्थान पाया।

छह दिवसीय एसटीपी का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एप्लिकेशंस आफ कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर इन मेथेमेटिकल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित छह दिवसीय लघु अवधि कार्यक्रम (एसटीपी) का समापन हो गया। हकेंवि के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), द्वारा प्रायोजित एवं आयोजित इस कार्यक्रम में आर प्रोग्रामिंग, एसपीएसएस, मैटलैब, मेपल और पायथन गणितीय व सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर टूल्स की प्रशिक्षणात्मक जानकारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार यादव, एवं यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समापन सत्र की शुरूआत में प्रो. प्रमोद कुमार ने विवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि हकेवि के यूजीसी-एमएमटीटीसी द्वारा अब तक 21 एनईपी-2020 उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम, दो फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम, चार पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और चार लघुकालिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित करवाए गए हैं। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक शैक्षणिक एवं शोध पाठ्यक्रमों में संगणकीय सॉफ्टवेयर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

महेंद्रगढ़। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

मंडी अटेली। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए। फोटो: हरिभूमि

गनियार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम आयोजित

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव गनियार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद ग्रामीण बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, स्वास्थ्य कर्मचारी और बड़ी संख्या में आमजन के साथ सरपंच सुनीता देवी ने बताया कि बेटी समाज पर बोझ नहीं है। इसलिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बेटी को बेहतर शिक्षा देकर उसे इस काबिल बनाएं कि बेटी किसी पर भी बोझ न बने। उन्होंने कहा कि आज सरकार बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है, ताकि उन्हें लाभ मिल सके। सरकार बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक के खर्च में सहयोग कर रही है। आवश्यकता है कि बेटी को पढ़ा लिखा कर उन्हें आगे बढ़ाएं। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंदिरा देवी, प्रतीभा, राजबाला, केला देवी, सरोज देवी, सोना देवी, हरीश यादव, आशा वर्कर प्रियंका, पुष्पा देवी, नीलम आईटी यादव मौजूद रही।

श्रीकृष्ण स्कूल में हुई टीचर्स प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौल

सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकूला के तत्वावधान में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका के कॉन्फ्रेंस हॉल में रविवार को एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के अनेक स्कूलों के 60 अध्यापकों व प्राचार्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में आए सीबीएसई रिसोर्सपर्सन डॉ. अनिता शर्मा व राजीव माहेश्वरी ट्रेनर रहे। कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य वेदपाल व उप प्राचार्य संदीप खैरवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राइमरी हैड उमा यादव ने की। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई के ट्रेनिंग को ऑर्डिनेटर व रिसोर्सपर्सन डॉ. अनिता शर्मा व राजीव माहेश्वरी ने किया।

उन्होंने कार्यशाला के दौरान अध्यापकों को विभिन्न वर्गों में बांटकर रोचक गतिविधियों व शिक्षा के बारे में माता पिता को शिक्षित करने के बारे में बताया। इसी क्रम में डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि शिक्षा के बारे में माता पिता को कैसे शिक्षित करें अध्यापकों को उदाहरण समेत बताया। सीबीएसई का इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शिक्षण पद्धति में विभिन्न प्रकार के भावनात्मक कौशल, सामाजिक कौशल व संज्ञात्मक कौशल को बढ़ाना है। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव व सीईओ अविनाश यादव ने बाहर से आए हुए प्रशिक्षकों व अध्यापकों का आभार व्यक्त किया।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

सरकार विकास कार्यों और नौकरियों में हलके के साथ कर रही है भेदभाव: अतरलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौल

अटेली हल्के में विकास कार्यों को लेकर राज्य सरकार भेदभाव कर रही है। भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए अटेली न्याय यात्रा निकाली जा रही है, जो अटेली हलके के सभी गांवों में जाएगी। न्याय यात्रा को सभी गांवों में ग्रामीणों का भारी समर्थन मिल रहा है तथा लोगों में इसे लेकर बहुत उत्साह है। उक्त विचार बहुजन समाज पार्टी के नेता समाजसेवी नेताजी अतरलाल ने अटेली न्याय यात्रा के दौरान गोमला, गोमली, खैरानी व खैराना गांवों में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

नारनौल। अटेली न्याय यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते नेताजी

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों, नौकरियों और नहरी पानी में हलके के साथ भेदभाव कर रही है। अटेली को उपमंडल बनाने, दौंगड़ा अहीर को उपतहसील बनाने, हलके में आईएमटी स्थापित करने, खेल विश्वविद्यालय और अंतर राष्ट्रीय स्तर का बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम बनवाने जैसी मांगों के प्रति सरकार उदासीन तथा लापरवाह बनी हुई है। विकास कार्य रुकने के कारण इलाका पिछड़ता जा रहा है।

अतरलाल ने जोर देकर कहा कि अब भेदभाव नहीं सहेंगे और संघर्ष करके इलाके का पूरा हक लेंगे। सभी गांवों में नेताजी अतरलाल का ग्रामीणों ने फूलमालाएं व पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने यात्रा में उठाई जा रही मांगों को जायज बताते हुए नेताजी अतरलाल को उनके संघर्ष में तन मन धन से पूरा सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों व दवाइयों की कमी के बारे में भी शिकायत की। जिसे अतरलाल ने शीघ्र सरकार के संज्ञान में लाने का भरोसा दिलाया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ, राकेश यादव, पवन प्रजापत, मनोज कौशिक, मदनलाल, रामचंद्र, मनोज, रामपाल सिंह, महेश चौहान, कुलदीप पंच, महेश, प्रदीप, राधेश्याम शर्मा, उदय सिंह, सूरजपाल, रोहित, डॉ. राजेंद्र, श्योचंद, धर्मवीर, हनुमान, डॉ. बाबूलाल आदि उपस्थित थे।

बीआर स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

गांव सेहलंग स्थित बीआर स्कूल अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा करना, ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करना और अभिभावकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना था ताकि बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में प्रत्येक कक्षा के शिक्षकों ने अपने-अपने छात्रों के अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। इस दौरान हाल ही में संपन्न हुए यूनिट टेस्ट-1 के परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उनके अंकों, मजबूत विषयों और उन क्षेत्रों का विस्तृत विश्लेषण शामिल था जिनमें सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों को उनके बच्चों की सीखने की शैली, कक्षा में भागीदारी और समग्र व्यवहार के बारे में भी जानकारी दी। शिक्षकों ने अभिभावकों को यह भी समझाया कि वे घर पर बच्चों की पढ़ाई में किस प्रकार सहायता कर सकते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

महेंद्रगढ़। बैठक के दौरान शिक्षकों से वार्तालाप करते अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

शहर में निकाली 123वीं प्रभात फेरी

नारनौल। नगर की प्रतिष्ठित संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 123वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन मोहल्ला नई कॉलोनी जमालपुर से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा रहे। जिन्होंने अपने पूरे परिवार सहित ठाकुर जी की आरती उतारी व श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुना

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का एपिसोड का 122वां एपिसोड का लाइव कार्यक्रम अटेली के भाजपा के मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार ने अपने गांव में ही परिवार के लोगों के साथ ध्यानपूर्वक सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर गुस्से से भरा है। आज हर भारतवासी का संकल्प है कि आतंकवाद को खत्म करना है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं द्वारा दिखाई गई बहादुरी ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है।

स्टेट कैरिज बस में पास मान्य नहीं, परेशानी

कनीना। हरियाणा के विभिन्न सड़क मार्गों पर सरपट दौड़ने वाली स्टैट कैरिज बसों के परिचालक सरकार की ओर से जारी पास को नहीं मान रहे। जिससे पास धारक व्यक्तियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे अनेक मामले समय समय पर सामने आते रहे हैं। कभी विद्यार्थियों से किराया वसूली तो कभी लोकतंत्र सेनानी व लेखक जैसे व्यक्तियों से किराया वसूली की घटनाएं सामने आई हैं। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से हरियाणा राज्य परिवहन की साधारण बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दी गई है।

कपास व बाजरे की फसल से अच्छी होती है पैदावार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

योजनाओं का लाभ लेकर किसान बन रहे आत्मनिर्भर: नांगल के किसान गजेंद्र सिंह व रोशनलाल ने नकदी फसलों को अपनाया

कनीना उपमंडल के विभिन्न गांवों में प्रगतिशील किसानों की ओर से नकदी फसलों को अपनाकर सरकार की ओर से दी जा रही योजनाओं का लाभ लिया जा रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से ऐसे किसानों को बीज तथा कृषि उपकरणों पर सब्सिडी भी दी जाती है। जिससे उन्हें दोहरा लाभ मिल रहा है। जिससे किसान आत्म निर्भर बन रहे हैं। इसी कड़ी में गांव नांगल मोहनपुर के किसान गजेंद्र सिंह की ओर से नकदी फसल की ऑर्गेनिक खेती की जा रही है। उसके पास करीब साढ़े सात एकड़ जमीन है। जिसमें वह प्रतिवर्ष एक एकड़ में कैश क्रॉप करता है। चालू वित वर्ष में उन्होंने एक एकड़ में आर्गेनिक खाद से प्याज उगाई है। जिसकी करीब 50 क्विटंल से अधिक की पैदावार का अनुमान है। नॉर्मल साइज तथा गुणवत्तापरक इस प्याज को खरीदने के लिए ग्रामीण सीधे खेत में ही पंहुचने लगे हैं। उन्होंने बताया कि ऑर्गेनिक खेती पर करीब 35000 रुपये प्रति एकड़ की लागत आई थी। जिस पर हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 50 फीसदी अनुदान की घोषणा की गई है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। उन्होंने बताया कि सब्जी की प्राकृतिक खेती करने पर कपास व बाजरे की बजाय अच्छी बचत हो जाती है। किसान गजेंद्र सिंह ने बताया कि इससे पूर्व बाजरे व कपास की फसल से 30 से 35 हजार रुपये प्रति एकड़ की आमदनी होती थी, जबकि सब्जी की खेती करने से करीब डेढ़ लाख रुपये की आमदनी हो जाती है।

कनीना। प्याज फसल की पैदावार दिखाता नांगल का किसान गजेंद्र सिंह।

किसान रोशनलाल ने भी अपनाई नकदी फसल

दूसरी ओर इसी गांव के किसान रोशनलाल की ओर से भी नकदी फसलों को अपनाया जा रहा है। ढाई एकड़ भूमि के मालिक रोशनलाल ने घीया, टमाटर, मिर्च, पेठा की पैदावार की है। उनकी ओर से की पैदा की जा रही सब्जी की खेती में किसी प्रकार के रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं किया जाता। जिससे सब्जी की गुणवत्ता व खाने का टेस्ट लाजवाब होता है। किसान की ओर से गोशाला से गोबर का खाद लाकर इस्तेमाल किया जाता है। सब्जी में कीड़े की रोकथाम के लिए नीम के पत्ते, निम्बू का रस व सरसों की खल का घोल बनाकर छिड़काव किया जाता है। जिससे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। उन्होंने बताया कि नकदी फसल के पहले साल भले ही उत्पादन कम हो, लेकिन उसकी बिक्री करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। खेत में ही सब्जी की बिक्री हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से किसानों को सुविधाएं दी जा रही हैं। उनसे किसानों का अच्छा मार्गदर्शन हो रहा है।

क्या कहते है अधिकारी

इस बारे में कृषि विभाग के एसडीओ डॉ. अजय सिंह ने बताया कि केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की गई है। जिसके अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण देकर बागवानी व कैशक्रॉप अपनाने की जानकारी दी जाती है। महेंद्रगढ़ जिले के अनेक किसान परंपरागत खेती छोड़कर कैशक्रॉप अपनाने लगे हैं। जिससे उन्हें अच्छा फायदा हो रहा है। कृषि विशेषज्ञों की सलाह से उनके द्वारा मल्चिंग विधि अपनाई जाती है। टपका सिंचाई विधि अपनाने पर 85 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है।

कोविड के इलाज के लिए ट्रामा सेंटर के द्वितीय तल पर 15 बैड का एक वार्ड आरक्षित

कोरोना की दोबारा से एंट्री होने से जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग हुआ अलर्ट

आईसीयू वार्ड के साथ ही ऑक्सीजन प्लांट की निरंतर की जा रही है मॉनिटरिंग, लेकिन अब तक जिले में कोई मरीज न होना सुखद स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कोरोना की दोबारा से एंट्री होने पर जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। प्रदेश के चार जिलों में अब तक लगभग नौ मरीज कोरोना के मिल चुके हैं। सिविल सर्जन की तरफ से मीटिंग कर डाक्टरों एवं स्टॉफ को स्पेशल दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही मलेरिया इंचार्ज डा. मनीष यादव को कोरोना का नोडल अफसर बनाया गया है। नागरिक अस्पताल में आईसीयू वार्ड व ऑक्सीजन प्लांट की व्यवस्था को लेकर मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं ट्रामा सेंटर के नए भवन के द्वितीय तल पर स्पेशल कोविड वार्ड बना दिया गया है। कोविड टेस्ट किट मंगवाई जा रही हैं। इस टेस्ट में एंटीजन व आरटीपीसीआर की जरूरत पड़ती है। इसके साथ ट्रामा सेंटर में 15 बैड रिजर्व किए गए हैं। यदि कोविड का कोई केस आता है तो उसको यहीं पर आइसोलेट किया जाएगा और उसका ईलाज चलेगा। साथ ही अस्पताल परिसर में डाक्टरों, स्टॉफ, मरीज व तिमारदारों को सावधानीपूर्वक व्यवहार करने के दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अस्पताल की सामान्य ओपीडी में आने वाले संदिग्ध मरीजों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल में रखे वेंटिलेटर पूर्णतया तैयार कर दिए गए हैं, ताकि इमरजेंसी की हालत में मरीजों के उपचार में इनका इस्तेमाल किया जा सके। वैसे तो डाक्टरों का कहना है कि इस बार कोविड के सामान्य लक्षण ट्रेस हो रहे हैं। इसमें खांसी, जुक़ाम, बुखार व गले में दर्द महसूस होता है। अस्पताल में रोजाना ओपीडी में 100-125 मरीज खांसी, जुकाम बुखार के पहुंच रहे हैं। हालांकि अब तक इनमें से सामान्य वॉयरल बुखार होना ही पाया जा रहा है। ऐसे में कोविड के मरीज ट्रेस करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को संदिग्ध रोगियों की सैंपलिंग करनी होगी।बता दें कि गुरुग्राम, फरीदाबाद व यमुनानगर जिलों में कोरोना के लगभग पांच मरीज मिल चुके हैं, जिससे नारनौल का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है, क्योंकि दिल्ली, गुरुग्राम एवं फरीदाबार में यहां के लोगों का खूब आना–जाना रहता है। यहां के युवा रोजगार के लिए रोजाना या साप्ताहिक इन शहरों में आते–जाते रहते हैं।

नारनौल। ट्रामा सेंटर, जहां कोविड वार्ड बना है। *फोटो: हरिभूमि*

एनबी.1.8.1 वेरिएंट क्या है?

एनबी.1.8.1 दरअसल ओमिक्रॉन के जेएन.1 वेरिएंट की एक नई शाखा है। इसका पहला मामला कुछ माह पहले चीन में पाया गया था और देखते ही देखते यह वहां तेजी से फैल गया। अब यह सिंगापुर, हांगकांग और अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी पाया गया है। भारत देश ही नहीं, यह हरियाणा में भी दस्तक दे चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे "वेरिएंट अंडर मॉनिटरिंग" की कैटेगरी में रखा है, यानी यह एक ऐसा वेरिएंट है, जिस पर निगरानी रखी जा रही है क्योंकि इसके फैलने की दर तेज हो सकती है। यह वेरिएंट एक्सडीवी.1.5.1 से निकला है और इसकी पहली पुष्टि 22 जनवरी 2025 को हुई थी।

कितना खतरनाक है नया वेरिएंट

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अभी तक के आंकड़ों से तो ऐसा नहीं लगता कि एनबी.1.8.1 पहले के वेरिएंट्स की तुलना में ज्यादा गंभीर बीमारी फैला रहा है। हालांकि, इसकी संक्रमण फैलाने की क्षमता ज्यादा मानी जा रही है, यानी यह तेजी से लोगों को संक्रमित कर सकता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के ही हैं। वैसे एनबी.1.8.1 वेरिएंट एकबार फिर हमें याद दिला रहा है कि महामारी भले ही धीमी पड़ी हो, मगर यह खत्म नहीं हुई है। सावधानी, सतर्कता और सही जानकारी ही हमें और हमारे परिवार को सुरक्षित रख सकती है।

यह कहते हैं सिविल सर्जन

कई जिलों में कोविड के केस मिले हैं। ऐसे में हमें घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अभी तक हमारा जिला सुरक्षित है। लोगों से अपील है कि वे सतर्क रहें और कोविड के नियमों का गंभीरता से पालन करना शुरू कर दें। गुरुग्राम व फरीदाबाद या कहीं ओर से आने वाले उक्त लक्षणों के मरीजों से पूरी तरह से सावधानी बरतें। वैसे ट्रामा सेंटर में 15 बैड कोविड मरीजों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर इनकी संख्या और बढ़ा दी जाएगी।

अशोक कुमार, सिविल सर्जन, स्वास्थ्य विभाग, नारनौल।

एनबी.1.8.1 वेरिएंट के लक्षण:

थकान, हल्की खांसी, गला बैठना या खराश आना, नाक बंद होना, मांसपेशियों में दर्द होना इसके मुख्य लक्षण हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में लोगों को लंबे समय तक हल्का बुखार बना रहने की शिकायत मिली है, जिसे 'लो-ग्रेड हाइपरथर्मिया' कहते हैं। सिरदर्द, मतली, भूख न लगना और पेट से जुड़ी परेशानियां भी देखी गई हैं।

ये बरतें सावधानी

मास्क का प्रयोग करें। -खांसते व छींकते समय मुंह पर कपड़ा रखें।
शारीरिक दूरी बनाकर रखें।
-बार-बार हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं।
हल्की दिक्कत होते ही डाक्टर से परामर्श लें।
भीड़भाड़ की जगहों पर जाने से बचें।
गंदे हाथों से नाक, मुंह व आंखों को न छूएं।

शिक्षा से हो सकता है समाज का विकास

नारनौल। कुम्हार प्रजापति सभा की बैठक रविवार को टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे शिव मंदिर में आयोजि की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सचिव बिहारी लाल बदोपुर ने की। बैठक में सभा के सचिव इंद्रजीत सिंह ने सभा का वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद मनोज कुमार व ईश्वर सिंह प्रजापति ने शिक्षा पर बोलते हुए कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही हो सकता है, शिक्षा ही समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सुनील कुमार ने समाज में फैली कुरूतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज द्वारा दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या व बाल श्रम पर रोक लगाने के लिए गांव-गांव जाकर लोगों को जागृत करना चाहिए। सभा के प्रधान जोगेन्द्र सिंह राजोरा ने सभा में उपस्थित सभी लोगों का अभार व्यक्त किया।

श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी ने किया स्वागत

नारनौल। श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी पुल बाजार की नवगठित कार्यकारिणी ने हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव का भगवान विश्वकर्मा मंदिर पुल बाजार में आयोजित कार्यक्रम में फूलमालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश यादव ने मंदिर कमेटी के प्रधान देवेंद्र जांगिड़ के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी के प्रधान देवेंद्र जांगिड़ व कार्यकारिणी के कार्यालय का उद्घाटन ओमप्रकाश यादव ने रिबन काटकर यिा। इस अवसर पर ओमप्रकाश यादव ने भव्य भगवान विश्वकर्मा चौक बनाने की घोषणा की और मंदिर कमेटी के प्रधान देवेंद्र जांगिड़ ने कार्यकारिणी के साथ शहर में जांगिड़ समाज के छात्रावास कम्युनिटी सेंटर हेतु भूमि उपलब्ध करवाने व मंदिर में शहर के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी हेतु मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर ओमप्रकाश यादव ने कहा कि जांगड़ा समाज हरियाणा सरकार की विकासशील नीतियों में विश्वास करता है और टेक्निकल साइंस के आविष्कारक भगवान विश्वकर्मा के वंशज होने के नाते इस समाज का राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में ओमप्रकाश यादव को भगवान विश्वकर्मा का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।इस मौके पर पूर्व प्रधान मंदिर कमेटी रोहतास जांगिड़, समाजसेवी कृष्ण अवतार जांगिड़ प्रधान महासभा, सत्यनारायण जांगिड़, मामचंद जांगिड़ आदि रहे।

कल्लूमल की बगीची के पास गिरा खंडहर चौबरे का हिस्सा

- चौबारे का कुछ हिस्सा दोपहर करीब पौने एक बजे अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिससे लोगों में दहशत फैल गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मोहल्ला खड़खड़ी स्थित कल्लूमल की बगीची के नजदीक दूसरी मंजिल के खंडहर चौबारे का कुछ हिस्सा दोपहर करीब पौने एक बजे अचानक भरभराकर गिर पड़ा। इससे आसपास रह रहे लोगों में दहशत फैल गई। गनीमत यह रही कि उस समय नीचे के मकान या आंगन में कोई मौजूद नहीं था। अन्यथा कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। जो चौबारा गिरा, उसका मालिकाना हक शहर के प्रसिद्ध कथा वाचक बजरंग शास्त्री एवं परिवारजनों का है। मकान गिरने उपरांत मौके पर आसपास के लोग तथा सूचना पाकर पुलिस भी पहुंची।

दोपहर करीब पौने एक बजे कल्लूमल की बगीची के नजदीक एक खंडहर चौबारे का कुछ हिस्सा अचानक गिर पड़ा।

इस चौबारे में बड़े भारी पत्थर भी लगे हुए थे, जो गिर पड़े। यह चौबारा गिरने पर नीचे बने कमरे का दरवाजा एवं गेट के साथ लगा कूलर क्षतिग्रस्त हो गया। मलबे में बड़े पत्थर भी होने एवं वह नीचे के मकान के गेट पर गिरने से उसमें आना–जाना एकदम बंद हो गया। नीचे के कमरे में सीयाराम शर्मा का तीन सदस्यीय परिवार रहता है। घटना के वक्त यह परिवार रसोई में दोपहर का खाना बना रहा था। अन्यथा कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। घटना की सूचना पाकर डॉयल 112 की पुलिस गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

नीचे के कमरे में रह रहे सीयाराम शर्मा ने बताया कि जो चौबारा गिरा है, वह कथा वाचक उनके भतीजे बजरंग शास्त्री के हिस्से में आता है और उन्होंने इस पर ताला लगाया हुआ है। वहीं रह रहे राजेश बंसल एवं सीयाराम ने बताया कि उक्त चौबारा लगभग 70–80 साल पुराना है तथा अब खंडहर हो चुका है। इसके गिरने का हमेशा खतरा बना रहता है।

नारनौल। मकान गिरने पर मौके पर पहुंचे आसपास के लोग।

नारनौल। वह खंडहर चौबारा, जिसका कुछ हिस्सा अचानक गिर पड़ा।

यह बोले बजरंग शास्त्री

दूसरी ओर कथा वाचक एवं मकान मालिक बजरंग शास्त्री ने बताया कि यह पुराना मकान दादालाई है और इसमें उसके पिता वगैरा तीन हिस्सेदार हैं। हिस्सेदार होने के कारण ही इसकी देखरेख नहीं हो पा रही थी। अब हम तीनों परिवारों में आपस में बातचीत हो गई है। शीघ्र ही इसका निपटान कर दिया जाएगा।

पाक के पोषित आतंकवाद को भारत कभी बर्दाश्त नहीं करेगा : भारती सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को उसकी औकात दिखा दी है। पाक द्वारा पोषित आतंकवाद को भारत देश कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और यदि वह ऐसा करेगा तो उसे हर बार मुंह की खानी पड़ेगी। यह उद्गार भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष एवं नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी ने रेवाड़ी रोड कैलाश नगर स्थित अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम देखने उपरांत व्यक्त किए।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री भारती सैनी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है। इस तस्वीर ने पूरे देश को देशभक्ति के भावों से भर दिया है और तिरंगे में रंग दिया है। उन्होंने कहा कि भारत-पाक के बीच तनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी क्षमताओं एवं अनुभव का बखूबी इस्तेमाल किया और सेना को खुले हाथों की छूट देकर आतंकवाद को नेस्तबूद कर दिया। भारती सैनी ने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट एवं संकल्पबद्ध है और सेना के शौर्य ने प्रत्येक भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। इससे देशवासियों में पुनः एकजुटता एवं देशभक्ति की भावना को बल मिला है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम का 122वां एपिसोड पूर्णतया राष्ट्रवाद एवं विकसित भारत की उम्मीदों से भरा हुआ था। इससे सभी देशवासियों को संबल मिलेगा। इस मौके पर युवा भाजपा के पूर्व शहरी प्रधान संजय सैनी भी मौजूद रहे।

पवन बने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान

महेंद्रगढ़। स्थानीय यादव धर्मशाला में एआईयूटीयूसी से संबंधित ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की ओर से ब्लॉकस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबेसिंह, हेमसा के पूर्व जिला सदस्य तथा रिटायर्ड लेखाकार ऋषिराज व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के जिला उप प्रधान मुकेश कुमार की देखरेख में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की महेंद्रगढ़ ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें पवन कुमार को प्रधान व सत्यनारायण को उपप्रधान, सोनू सचिव, सहसचिव विजय, कोषाध्यक्ष सोनू, सलाहकार मुकेश कुमार, प्रेस सचिव सुभाष, प्रचार सहसचिव अशोक व संगठन सचिव दीपक को चुना गया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को नियमित करने, न्यूनतम वेतन रूपए 28000 लागू करने, सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाकर पेंशन योजना लागू करने, कूड़ा उठाने के लिए स्वचालित वाहन उपलब्ध कराने, ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर आश्रित को नौकरी देने व पेंशन लाभ देने, सफाई कर्मचारियों को मास्क व सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने की मांग की।

टीचर्स एसोसिएशन बैठक में उठाई आवाज

शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया पर सरकार की टरकाऊ नीति के विरोध में 27 को दिया जाएगा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षकों की ट्रांसफर प्रकिया को जानबूझकर लम्बा किया जा रहा है, ताकि समय निकल जाए और फिर पढ़ाई का बहाना लेकर ट्रांसफर न करने पड़ें। इस मुद्दे पर डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों ने ऑनलाइन मीटिंग की। मीटिंग में राज्य प्रधान विजेंदर मोर, चेयरमैन धर्मेंद्र ढांडा व राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों ने सरकार द्वारा शिक्षकों की ट्रांसफर प्रकिया को बार–बार पॉलिसी बदलने के नाम पर जान बूझकर लटकाने पर रोष व्यक्त किया गया। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के राज्य सचिव महेश यादव महेश यादव ने बताया कि सरकार द्वारा जारी पॉलिसी के अनुसार हर वर्ष सत्र शुरू होने से पहले शिक्षकों के तबादले किए जाने चाहिएं, लेकिन हर बार जानबूझकर इस प्रक्रिया को जटिल बना दिया जाता है। जेबीटी के मामले में तो 2016 के बाद कोई तबादला किया ही नहीं गया है। जब भी प्रकिया शुरू होती है, तभी एमआईएस पोर्टल के नाम पर कभी रेशनेलाइजेशन के नाम पर और कभी अपने चहेतों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया को लटका दिया जाता है और बार–बार पॉलिसी बदली जाती है, जिस कारण ट्रांसफर नहीं हो पाते। ऐसी स्थिति बहुत निंदनीय है। इसके अलावा शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही रेशनलाइजेशन न तो स्कूलों के हित में है और न ही शिक्षकों के हित में। यह सिर्फ और सिर्फ इस स्कूली ढांचे को सिकोड़ने और शिक्षकों के पदों को समाप्त करने का षड्यंत्र मात्र है।

नारनौल। आनलाइन मीटिंग करते अध्यापकगण।

शिक्षकों का यह है आरोप

जहां कक्षा 6 से 8 में इन भाषाओं के कम से कम 6 पीरियड हुआ करते थे, अब घटाकर 5 कर दिए गए हैं। कक्षा 9 से 12 में भी पहले हिंदी के 8-8 पीरियड हुआ करते थे, अब मात्र 6 पीरियड कर दिए गए हैं। संस्कृत प्राध्यापक को लाइब्रेरी का पीरियड दिया गया है और उसे वर्कलोड में भी नहीं जोड़ा जा रहा। उधर अगर कक्षा के सेक्शन की बात करें तो 51 बच्चों के बाद दूसरा सेक्शन बना रहे हैं, जबकि आरटीई कहती है कि प्राइमरी में 30, मिडल में 35 व 9वीं से 12वीं में 40 बच्चों के बाद नया सेक्शन बनना चाहिए। अतः डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन ये मांग करता है कि शिक्षा व शिक्षक हित में रेशनेलाइजेशन की जाए एवं ट्रांसफर प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो शिक्षकों को आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ेगा और वह इस कड़ी में 27 मई को जिला स्तर पर ज्ञापन सौंपेंगे।

अब किसी कर्मचारी को परेशान होने की जरूरत नहीं: राजेश कलवाड़ी

नारनौल। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन रजि नम्बर: 41 संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ मुख्यालय चरखी दादरी की फतनी (अटेली) वाटर वर्क्स पर एक जरनल मीटिंग जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें पब्लिक हेल्थ अटेली में यूनियन की नई ब्रांच के चुनाव करवाए गए। प्रधान राजेश कलवाड़ी, सचिव कोशिंद्र, कोषाध्यक्ष हरिश कुमार, चेयरमैन बलजीत सिंह एवं वरिष्ठ उपप्रधान प्रीत्तम सिंह को सर्वसम्मति से पदाधिकारी को चुना गया। इस चुनावी सभा में चुनाव परिवेक्षक राज्य प्रचार सचिव सुरेश कुमार उपस्थित रहे। जिला प्रधान राजेश कलवाड़ी ने कहा कि अटेली ब्रांच के चुनाव करवाए गए हैं, जिससे अब अटेली डिवीजन में संगठन मजबूत है। अब किसी कर्मचारी को परेशान होने की जरूरत नहीं है।